CHAPTER 2

पतंग

PAGE 13, प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ

12:1:2:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:1

'सबसे तेज़ बौछारें गयीं, भादों गया' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने दिखाया है, उसका वर्णन अपने शब्दों में करें।

उत्तर: कवि आलोक धन्वा ने बाल-सुलभ इच्छाओं और स्नेह और प्रकृति के साथ उनके संबंधों का बहुत ही सुंदर चित्रण किया है। शरद ऋतु वर्षा ऋतु (सावन-भादों) के जाने के बाद आती है जिसमे चारों ओर धुप की उज्ज्वल चमक बिखरी जाती है। शरद के आने पर पूरे वातावरण में उत्साह और उमंग का वातावरण बनता है और हर तरफ आकर्षक खुश्बू फ़ैल जाती है।

12:1:2:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:2

सोचकर बताएँ कि पतंग के लिए **सबसे हलकी और रंगीन चीज़ , सबसे पतला कागज़ , सबसे पतली कमानी** जैसे विशेषणों का प्रयोग क्यों किया है?

उत्तर: "पतंग" के लिए सबसे हल्की और रंगीन चीज़ जैसे विशेषणों का उपयोग करना, सबसे पतला कागज, सबसे पतला खंड एक, कवि अपने बचपन की याद दिलाकर पाठकों को आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उनकी जिज्ञासा बढ़ रही है। दूसरे, पतंगों में ये गुण होते हैं और बच्चे इन पतंगों की तरह होते हैं, नाजुक, कोमल, रंगीन और हमेशा अनंत इच्छाओं के आकाश में उड़ने के लिए तैयार। बच्चे भी उन पतंगों के माध्यम से आकाश को छूना चाहते हैं।

12:1:2:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:3

बिंब स्पष्ट करें-

“सबसे तेज़ बौछारें गयीं भादो गया

सवेरा हुआ

खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा

शरद आया पुलों को पार करते हुए

अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए

घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से

चमकीले इशारों से बुलाते हुए और

आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए

कि पतंग ऊपर उठ सके।"

उत्तर:

तेज़ बौछारें : दृश्य बिम्ब (गतिशील)

सवेरा हुआ : दृश्य बिम्ब (स्थिर)

खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा : दृश्य बिम्ब (स्थिर)

पुलों को पार करते हुए : दृश्य बिम्ब (गतिशील)

अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए : दृश्य बिम्ब (गतिशील)

घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से : श्रव्य बिम्ब

चमकीले इशारों से बुलाते हुए : दृश्य बिम्ब (गतिशील)

आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए : स्पर्श बिम्ब

पतंग ऊपर उठ सके : दृश्य बिम्ब (स्थिर)

12:1:2:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:4

जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास- कपास के बारे में सोचें कि कपास से बच्चों का संबंध बन सकता है।

उत्तर: कवि यह कहना चाहते हैं कि बच्चे जन्म से लेकर अपने बचपन में कपास की तरह मुलायम, नरम और गुदगुदेदार होते हैं। जब वे पतंग उड़ाने के लिए पतंग के पीछे भागते हैं, तो पतंग के साथ खुद हवा में तैरने लगते है। ऐसा लगता है जैसे उनका कोई वज़न नहीं है और वे ऐसे दिखते हैं जैसे वे रूई की तरह हवा में उठते हैं, हल्के और मुलायम।

12:1:2:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:5

पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं- बच्चों का उड़ान से कैसा संबंध बनाता है?

उत्तर: पतंग उड़ाने वाले बच्चों के रोमांच को देखकर ऐसा लगता है जैसे पतंगें आसमान में उड़ने के साथ-साथ बच्चे धरती पर उड़ रहे हो । पतंग उड़ाते समय बच्चे छतों पर वैसे ही उड़ते है जैसे आसमान में पतंग। बच्चों को किसी भी प्रकार के खतरों का ज्ञान नहीं रहता है। वे अपने शरीर को एक संगीतमय ताल के अनुसार हिलाते है जैसे पतंग बन गए हो।

12:1:2:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:6

निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) छतों को भी नरम बनाते हुए

दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए

(ख) अगर वे कभी गिरते हैं छतों के खतरनाक किनारों से और बच जाते हैं तब तो

और भी निडर होकर सुनहले सूरज के समान आते हैं।

- **दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने का क्या तात्पर्य है?**
- **जब पतंग सामने हो तो छतों पर दौड़ते हुए क्या आपको**

छत कठोर लगती है?

❖ खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद आप दुनिया की चुनौतियों के सामने स्वयं को कैसा महसूस करते हैं?

उत्तर:

1.'दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए' संगीतमय वातावरण के निर्माण को संदर्भित करता है।।

2.नहीं, पतंग के सामने होने पर छत मुलायम लगती है कठोर नहीं।

3.खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद हम दुनिया की चुनौतियों के सामने स्वयं को योग्य और कुशल महसूस करते हैं।

PAGE 14, अभ्यास - कविता के आसपास

12:1:2:प्रश्न - अभ्यास - कविता के आसपास:1

आसमान में रंग-बिरंगी पतंगों को देखकर आपके मन में कैसे खयाल आते हैं? लिखिए।

उत्तर: आसमान में उड़ती पतंगो को देखकर उनके साथ उड़ने का एहसास होता है। पंतंग की भांति कभी इधर उड़ूं कभी उधर उड़ूं। कभी आगे कभी पीछे तथा पक्षियों से लगाऊं।

12:1:2:प्रश्न - अभ्यास - कविता के आसपास:2

'रोमांचित शरीर का संगीत' का जीवन के लय से क्या संबंध है?

उत्तर: जब हम किसी ऐसी चीज़ में पूरी तरह से शामिल होते हैं जो हमें बहुत दिलचस्प लगती है। वह हमें रोमांचित करता है, और हम अभिभूत हो जाते हैं और उसमें डूब जाते हैं। तो हमारा शरीर एक लय में बँधकर काम करना शुरू कर देता है। यह जीवन की लय और रोमांचित शरीर के संगीत के बीच का संबंध है।